जिस प्रकार परमेश्वर ने कहा बच्चों को वैसा ही सिखायें

जो बच्चों को सिखाते हैं उन्हें अध्ययन टी 1बी पढ़ना चाहिये।

प्रार्थना: "प्रिय प्रभु, हमारे बच्चों की सहायता कर कि वे आप से प्रेम करें और आपकी आज्ञा पालन करें और अपने परिवार का मित्रों के साथ अच्छा सम्बन्ध रख सकें"।

1. बच्चों के शिक्षकों को परमेश्वर के वचन के साथ तैयार करें।

किन बच्चों को पढ़ाना चाहिये। मुख्य रूप से में माता पिता है जिन्हें अपने बच्चों को यीशु मसीह के पीछे चलने के लिये तयार करना चाहिये, उन्हें प्रेम में शिक्षा दें व अनुशासित करें।

- मसीही परिवारों को प्रतिदिन परिवारिक भक्ति भजन का समय होना चाहिये, जैसे अय्यूब ने किया, प्रार्थना करना और बच्चों के साथ परमेश्वर के वचन के विषय बातें करें।
- इलीसियों 6:4 पिताओं को क्या करने को बताता है?
- नीतिवचन 23:13 माता पिता को क्या करने को बताता है?

- बच्चे भी अक्सर दूसरे बच्चों को प्रभावशाली रूप से सिखाते हैं।

- सप्ताह के मध्य में मसीही मित्र और रिश्तेदारों को बच्चों को तयार करना चाहिये उन्हें बाइबल की कहानियाँ बताना, उनके साथ प्रार्थना करना और उनकी सुनना, ये बताना कि वे क्या कर रहे हैं।

- चरवाहे-पौलुस-तिमुथि की बच्चों का अध्ययन शिक्षकों को उपलब्ध करा सकते हैं और मुख्य कार्य शाला के पहले प्रबन्ध कर सकते हैं कि बच्चे जो बड़ों के सामने प्रस्तुत कर उसकी तैयारी करा दें।

बच्चों को पढ़ाने की मार्ग दर्शिका:

- समय से पहले अच्छी तैयारी करें।
- कहानियां बतायें और बच्चों को उसका नाटक करने दें।

बच्चे इस सत्य को कैसे सीख सकते हैं? मैं जानता हूँ। इसके विषय मैं उनको बाइबल की एक कहानी सुनाऊंगा इस प्रकार वे बेहतर सीखते हैं। जब वे घर में बैठते तो बेहतर हिस्सा लेते हैं जहाँ वे एक दूसरे को देख सकते हैं।
वे बडों के लिये कहानी को नाटक का रूप दे सकते हैं।

- हर बच्चे के लिये प्रार्थना करें। परमेश्वर उनकी चिन्ता करता है, उनके विषय में धर्मशास्त्र अक्सर बोलता है
- अच्छे आराधना के अगुवे और चरवाहे बच्चों को मंडली की आराधना में शामिल करते हैं। जैसा मूसा यहोशू और एज्रा ने किया ना केवल प्रोता पर साथ काम किया। पौलुस तिमोथी अध्ययन गतिविधियों का सुझाव देता है कि नाटक तैयार कर बड़ों के सामने प्रस्तुत करें।
- बच्चे छुट्टियों से प्रेम करते है और घटनाओं से जब विश्वासी खेल कूद पार्टी जन्मदिन आदि वे सीखने में आनन्द लेते है कि हम क्यों छुट्टियां मनाते। प्रभु ने छुट्टियां और यादगार स्थापित की जिससे कि बच्चे उसके महान कार्य को नहीं भूलेंगे (यहोशू 4:1-7 निर्गमन 12:24-27)
- बच्चों को कुछ करने में व्यस्त रखें वे चीजें बनाना पसन्द करते हैं।

तुम बच्चों के पास अधिक समय है। तुम कुछ करना चाहते हो। तो मैं ऐसे ही बैठने को नहीं कहूंगा। यदि थक जाओ तोभी तुम्हें डांट नहीं पड़ेगी। मैं तुम्हें कुछ बनाने को देता हूँ क्योंकि तुम क्रियाशील हों, आओ समुएल मेरी मदद करो।

- वे चीजें बनाना पसन्द करते हैं।
- बच्चों को परमेश्वर से प्रेम करना और उसका भय मानना सिखायें (व्यवस्था विवरण 4:10; 6:4-7; भजन 34:11;111:10)
- जब पवित्र आत्मा बच्चों को उनके पापों से कायल करता है, तो मसीह की सभा विश्वास से पाने के लिये उन्हें प्रोत्साहित करें।
- बच्चें विशेष कर और शोर काम दुहराना पसन्द करते हैं। उदाहरण के लिये यदि आप उन्हें बतायें कि इसहाक की दुल्हन रिबका उसके पास ऊंट पर चढ़कर आई आप ये कहें, "ऊंट के पांव की आवाज़ सुना जब वह चलता है क्लोप क्लोप क्लोप अब जब आपका सिर ऊपर और नीचे हो रहा, क्योंकि ऊंट का सवार ऊपर नीचे ऊपर नीचे होता है!"
- शिक्षकों को बच्चों के माता पिता से अच्छे सम्बन्ध बनाना चाहिये।
- बच्चों को दृढ़ता से पर कोमलता से अनुशासित कीजिए।

- बच्चों को अच्छा करने पर प्रशंसा करें, उन्हें डांटने की अपेक्षा अच्छे नियम अनुशासन से रखें

2. अपने सहकर्मियों के साथ सप्ताह को बीच की गतिविधियों की योजना बनायें।

- यदि विश्वास करने वाले माता पिता अभी भी बच्चों के साथ परिवारिक मनन नहीं करते, तब उनसे भेंट करें और आरम्भ करने में उनकी सहायता करें।
- विश्वासियों से मिले जो एक शिक्षक की नाई सेवा कर सकें, और ये मार्ग दर्शिका उनको बतायें सम्भव हो तो नयें शिक्षकों को अनुमती शिक्षकों के साथ रखकर प्रशिक्षित करें।

3. अपने सहकर्मियों के साथ आने वाली आराधना की योजना बनायें

मरकुस 4:1-20 से यीशु का जमीन का दृष्टान्त बताओ। ये समझाओ कि परमेश्वर के वचन को परमेश्वर की तरह से जानने के लिये हमें....

1) उसे अपनी आँखों या कानों से स्वीकार करना चाहिये।

2) इसे हमारे आत्मा में जड़ पकड़ना चाहिये।

3) इसमें फल लगने दीजिये।

तब विश्वासियों को वे चीजें स्पर्श करने को कहें जो यीशु ने इस शिक्षा के रूकावट के लिये कहा।

बतायें कि क्यों माता पिता को अपने बच्चों को सिखाना चाहिये। ऐसा करने के लिये उपरोक्त मार्ग दर्शिका समाझयें।

जो बच्चों ने तैयार किया है उसे प्रस्तुत करने दें।

बड़े बच्चों और व्ययस्को को अपनी गवाही देने दे कि मसीह ने उनके लिये क्या किया है विशेषकर यदि हाल ही में उन्होंने उस पर विश्वास कर अपना उद्धारकर्ता मान लिया है।

प्रभु भोज का परिचय कराने के लिये व्यवस्था विवरण 6:7 पढ़िये। ये बतायें कि हमें बच्चों को यीशु की आज्ञाएं पालन करना सिखाना है, साथ ही रोटी को तोड़ना शामिल है।

दो या तीन लोगों के झुण्ड में साथ साथ कुछ मिनिटों तक बातें करें। एक दूसरे के लिये प्रार्थना करें और बच्चों को और अधिक सिखाने को गतिविधियों की योजना उपलब्ध कराने का कार्यक्रम बनायें।

व्यवस्थाविवरण 6:6-7 एक साथ कंठस्थ करें।

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net